उत्सव तथा व्रतन की

टिप्पणी

प्रकाशक

श्री पुष्टिमार्गीय तृतीयपीठ प्रन्यास

काँकरोली

टिप्पणी निर्माण संपादन

श्री बिन्दुलाल शर्मा, काँकरोली

मुद्रक

श्री हरि प्रिन्टस

लाड एपार्टमेन्ट, पोलोग्राउन्ड के सामने, बडौदा.

तृतीय पीठ श्री द्वारकाधीश मंदिर, कांकरोली संबंधित
जानकारी के लिये मुलाकात कीजिये

www.vallabhkankroli.org

''विज्ञप्ति''

श्रीमद् जगद्गुरु श्री वल्लभाचार्य तृतीय पीठ प्रन्यास की और से पुष्टि सम्प्रदाय के व्रतोत्सवों की अद्यावधि उपलब्ध विभिन्न टिप्पणियों का परिशीलन कर तथा कुछ आधुनिक विद्या के केलेंडरों का अभ्यास कर एक नये प्रकार की टिप्पणी के प्रकाशन का प्रारम्भ किया जा रहा है। जिस में भगवत्सेवा रसिक जनों के साथ ही सामान्य जन–समाज के उपयोग को भी लक्ष्य में रख कुछ विशेष सूचनादि यथा स्थान किये गये है।

तृतीय गृह के वैष्णव समाज के लाभार्थ श्री द्वारकेश प्रभु के यहां मनाये जाने वाले उत्सवादि विशेष रूप से निर्दिष्ट है, साथ ही कुछ संग्रहणीय चित्र और मननीय वचनामृत भी निवेशित किये गये है। आशा है संह्यदयजनों का मानसोल्लास वर्ष यात्रा का पाथेय बनेगा।

चैत्र शुक्ल पक्ष **संवत २०६८**

श्री वल्लभाब्द ५३३ **अप्रेल–२०११**

तिथि	वार	ता.	उत्सव वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	सोम	४	नूतनवर्षारम्भ, क्रोधी संवत्सर प्रारंभ
२	मंगल	५	
३	बुध	६	गणगौर
४	गुरु	७	
५	शुक्र	८	
६	शनि	९	षष्ठपुत्र श्री यदुनाथजी को उत्सव (१६१५)
७	रवि	१०	
८	सोम	११	उत्सव श्री व्रजभूषणजी (१८३५)
९	मंगल	१२	श्री रामनवमी व्रत, उत्सव श्री व्रजभूषणजी (१६३६) श्री बालकृष्णलालजी के लालजी
१०	बुध	१३	व्रत की पारणा, जन्मदिन गो. श्री गोपाललालजी, कोटा
११	गुरु	१४	कामदा ११ व्रत, श्री महाप्रभुजी के उत्सव की बधाई मेष संक्रान्ति दिन में १ बजे बैठे है, सतुआ भोग–संध्यार्ति समय में धरावें।
१२	शुक्र	१५	
१३	शनि	१६	
१४	रवि	१७	
१५	सोम	१८	पूर्णिमा, श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (१९८१) श्री भाभीजी महाराज कृत, वैशाख स्नानारम्भ

तिथि	वार	ता.	उत्सव वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
२	मंगल	१९	प्रतिपदा को क्षय
३	बुध	२०	ग्रीष्म ऋतु: प्रारंभ
४	गुरु	२१	
५	शुक्र	२२	
६	शनि	२३	जन्मदिन गो. श्री त्रिलोकी भूषणजी (श्री शिशिरकुमारजी) काँकरोली व गो. श्री विठ्ठलनाथजी (लालमणिजी) कोटा-मुंबई
७	रवि	२४	उत्सव श्री द्वारकाधीशजी के साथ श्री मथुराधीशजी बाग में बिराजे (१९६६), पाटोत्सव श्री विठ्ठलनाथजी, नाथद्वारा
८	सोम	२५	
९	मंगल	२६	
१०	बुध	२७	पाँच स्वरुपोत्सव ति. श्री गोवर्धनलालजी कृत
११	गुरु	२८	वरुथिनी ११ व्रत, महाप्रभु श्री वल्लभाचार्यचरण को उत्सव (१५३५), श्री वल्लभाब्ध ५३३ प्रारम्भ
१२	शुक्र	२९	
१३	शनि	३०	
१३	रवि	१	**मई,** त्रयोदशी की वृद्धि
१४	सोम	२	
३०	मंगल	३	अमावस्या

वैशाख शुक्ल पक्ष **संवत २०६८**

श्री वल्लभाब्द ५३४ **मई–२०११**

तिथि	वार	ता.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	बुध	४	उत्सव श्री पुरुषोत्तमजी (१८४७), छप्पनभोग उत्सव, श्री श्रीनाथजी, श्री द्वारकाधीशजी के साथ बिराजे (२०५०) विद्यमान गो. श्री व्रजेशकुमारजी महाराज कृत
२	गुरु	५	
३	शुक्र	६	अक्षय तृतीया, चन्दन यात्रा, जलकुम्भ दान, उत्सव श्री ब्रजभूषणलालजी महाराज गादी बिराजे (१९७६)
४	शनि	७	जन्मदिन गो. श्री पीताम्बरजी (श्री परागकुमारजी) कांकरोली
५	रवि	८	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (२०५५), विद्यमान गो. श्री ब्रजेशकुमारजी महाराज कृत, चि. वेदांतकुमारजी एवं चि. सिद्धान्तकुमारजी के यज्ञोपवीत को, पाटोत्सव श्री नटवरलालजी, अमदावाद
६	सोम	९	
७	मंगल	१०	
८	बुध	११	
९	गुरु	१२	
१०	शुक्र	१३	एकादशी को क्षय
१२	शनि	१४	मोहिनी ११ व्रत गो. श्री ब्रजेशकुमारजी महाराज गादी बिराजे (२०३७)
१३	रवि	१५	
१४	सोम	१६	उत्सव श्री द्वारकेशजी (१६३०) श्री बालकृष्णजी के लालजी नृसिंह जयन्ती
१५	मंगल	१७	पूर्णिमा, वैशाख स्नान समाप्ति

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (गु. वैशाख) **संवत २०६८**

श्री वल्लभाब्द ५३४ **मई–जून २०११**

तिथि	वार	ता.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	बुध	१८	
२	गुरु	१९	चार स्वरुपोत्सव ति. श्री दाउजी महाराज कृत (१९६६) पाटोत्सव श्री कल्याणरायजी, बडौदा
३	शुक्र	२०	
४	शनि	२१	
५	रवि	२२	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (१९७६) श्री भाभीजी महाराज कृत
६	सोम	२३	
७	मंगल	२४	
८	बुध	२५	आज सूं ज्येष्ठ शुक्ल ७ बुधवार तक सूर्य रोहिणी नक्षत्र में श्री प्रभुन को चन्दन धरावें
९	गुरु	२६	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (२०४१) विद्यमान गो. श्री व्रजेशकुमारजी महाराज कृत
१०	शुक्र	२७	पाटोत्सव, श्री गोपाललालजी महाराज मंदिर, बडौदा
११	शनि	२८	अपरा ११ व्रत
१२	रवि	२९	
१३	सोम	३०	जन्मदिन गो. चि. व्रजाभरणजी (चि. कपिलकुमारजी) काँकरोली
१४	मंगल	३१	
३०	बुध	१	**जून,** अमावस्या

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष **संवत २०६८**

श्री वल्लभाब्द ५३४ **जून–२०११**

तिथि	वार	ता.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	गुरु	२	
२	शुक्र	३	
३	शनि	४	
४	रवि	५	
५	सोम	६	श्री श्रीनाथजी के नाव को मनोरथ, जन्मदिन गो. चि. पुरुषोत्तमजी (चि. वागीशकुमारजी) कांकरोली एवम् गो. श्री हरिरायजी, जामनगर
६	मंगल	७	उत्सव श्री पुरुषोत्तमजी (१६४४) श्री बालकृष्णजी के लालजी
७	बुध	८	उत्सव श्री व्रजनाथजी (१७८८)
८	गुरु	९	जन्मदिन चि. श्री विठ्ठलनाथजी (चि. शरणमकुमारजी) बडौदा–काँकरोली
९	शुक्र	१०	
१०	शनि	११	गंगा दशहरा, श्री यमुनाजी को उत्सव
११	रवि	१२	निर्जलां ११ व्रत, जन्मदिन गो. चि. प्रबोधकुमारजी मथुरा–काँकरोली
१२	सोम	१३	
१३	मंगल	१४	स्नान को जल भरनो, अधिवासन करनो जन्मदिन गो. चि. व्रजालंकारजी (चि. नैमिषकुमारजी) काँकरोली
१५	बुध	१५	चतुर्दशी को क्षय, पूर्णिमा, खग्रास चन्द्र ग्रहण (निर्णय अन्त में) ज्येष्ठाभिषेक, स्नान यात्रा

तिथि	वार	ता.	उत्सव ग्रीष्म-वर्षा ऋतु : रवि उत्तर-दक्षिणायणे
१	गुरु	१६	
२	शुक्र	१७	
३	शनि	१८	
४	रवि	१९	
५	सोम	२०	
६	मंगल	२१	श्री द्वारकाधीशजी को खसखाना मनोरथ, उत्सव श्री द्वारकेशजी (१९६४), जन्मदिन गो. श्री श्याम मनोहरजी कृष्णगढ (पारला) रवि दक्षिणायणे, वर्षाऋतु: आरंभ
७	बुध	२२	
८	गुरु	२३	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (२०१७) गो. श्री व्रजेशकुमारजी के विवाहको, गो. श्री व्रजभूषणलालजी महाराज कृत
८	शुक्र	२४	अष्टमी की वृद्धि
९	शनि	२५	
१०	रवि	२६	
११	सोम	२७	योगिनी ११ व्रत
१२	मंगल	२८	
१३	बुध	२९	
१४	गुरु	३०	
३०	शुक्र	१	**जुलाई,** अमावस्या

आषाढ शुक्ल पक्ष **संवत २०६८**

श्री वल्लभाब्द ५३४ **जूलाई–२०११**

तिथि	वार	ता.	उत्सव वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	शनि	२	
२	रवि	३	रथयात्रा
३	सोम	४	
४	मंगल	५	पाटोत्सव, श्री द्वारकाधीशजी (१७२०) काँकरोली
६	बुध	६	पंचमी कपो क्षय, कसुम्भा छठ्ठ, षष्ठी पंडगू श्री लक्ष्मण भट्टजी को उत्सव
७	गुरु	७	
८	शुक्र	८	जन्मदिन गो. चि. अभिषेक कुमारजी,मथुरा–काँकरोली
९	शनि	९	
१०	रवि	१०	बैंगन दशमी
११	सोम	११	देवशयनी ११ व्रत, चातुर्मास्य नियमारम्भ
१२	मंगल	१२	
१३	बुध	१३	
१४	गुरु	१४	जन्मदिन गो. चि. शरदकुमारजी, मथुरा–काँकरोली
१५	शुक्र	१५	व्यास पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा, पर्वात्मकोत्सव

तिथि	वार	ता.	उत्सव वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	शनि	१६	हिन्दौरा आरम्भ
२	रवि	१७	
३	सोम	१८	
४	मंगल	१९	जन्माष्टमी की बधाई काँकरोली, श्री गोकुलचंद्रमाजी, कामवन तथा श्री गोकुलनाथजी, गोकुल को पाटोत्सव
५	बुध	२०	
६	गुरु	२१	उत्सव श्री द्वारकाधीशजी के साथ श्री नवनीत प्रियाजी एवं श्री विठ्ठलनाथजी बाग में बिराजे (२०४२) विद्यमान गो. श्री व्रजेशकुमार महाराज कृत
७	शुक्र	२२	
८	शत्रन	२३	जन्माष्टमी की बधाई, नाथद्वारा
९	रवि	२४	
१०	सोम	२५	
११	मंगल	२६	कामिका ११ व्रत
१२	बुध	२७	
१३	गुरु	२८	उत्सव श्री बालकृष्णलालजी (१९२४) तथा आप द्वारा कृत श्री द्वारकाधीशजी को दुहेरो मनोरथ जन्मदिन गो. श्री कल्याणरायजी, नाथद्वारा
१४	शुक्र	२९	
३०	शनि	३०	हरियाली अमावस्या

श्रावण शुक्ल पक्ष **संवत २०६८**

श्री वल्लभाब्द ५३३ **जुलाई–अगस्त–२०१०**

तिथि	वार	ता.	उत्सव	वर्षा–शरद ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	रवि	३१		
२	सोम	१	**अगस्त**	
३	मंगल	२	ठकुरानी तीज, मधुश्रवा तृतीया	
४	बुध	३		
५	गुरु	४	नाग पंचमी, श्रीजी की ऊर्ध्व भुजा के दर्शन	
६	शुक्र	५	सप्तमी को क्षय, उत्सव श्री द्वारकानाथजी (१६८२)	
८	शनि	६		
९	रवि	७	सप्त स्वरुपोत्सव ति. श्री गोविन्दलालजी महाराज कृत (सं. २०२३) पाटोत्सव श्री लाडिलेशजी, सूरत	
१०	सोम	८		
११	मंगल	९	पुत्रदा ११ व्रत, पवित्रा, पवित्रा एकादशी, श्रीनकूं पवित्रा श्रृंगार में धरावें	
१२	बुध	१०	गुरुनकूं पवित्रा धरावें	
१३	गुरु	११		
१४	शुक्र	१२		
१५	शनि	१३	पूर्णिमा, रक्षाबन्धन, श्रीनकूं रक्षा भोग संध्या में धरावे श्रावणी, आपस्तम्ब, हिरण्यकेशीय, बोधायन, काण्व, माध्यंदिनां, ऋग्वेदीन, सर्वयजुर्वेदीन तथा अथर्ववेदीन की श्रावणी	

तिथि	वार	ता.	उत्सव शरद ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	रवि	१४	पांच स्वरुपोत्सव – काँकरोली (सं. २०२३)
२	सोम	१५	हिन्दौरा विजय
३	मंगल	१६	जन्मदिन गो. श्री दानीरायजी, जूनागढ, कज्जली तीज
४	बुध	१७	
४	गुरु	१८	चतुर्थी की वृद्धि
५	शुक्र	१९	
६	शनि	२०	
७	रवि	२१	शयन में षष्ठी को उत्सव, श्री विष्णुस्वामी प्राकट्य उत्सव
८	सोम	२२	जन्माष्टमी व्रत, श्री कृष्ण जन्मोत्सव, शरद ऋतु: आरंभ
९	मंगल	२३	नन्द महोत्सव, उत्सव श्री व्रजभूषणजी (१७००)
१०	बुध	२४	
११	गुरु	२५	अजा ११ व्रत
१२	शुक्र	२६	
१३	शनि	२७	छठ्ठी को पलना, कलियुगादि
१४	रवि	२८	
३०	सोम	२९	कुशग्रहणी अमावस्या, जन्मदिन चि. अवतंश कुमारजी (मधुरमजी) काँकरोली, राधाष्टमी की बधाई, सोमवती अमावस्या

तिथि	वार	ता.	उत्सव शरद ऋतु : रवि दक्षिणायणे
२	मंगल	३०	प्रतिपदा को क्षय, उत्सव श्री गिरधरलालजी (१८६८),
३	बुध	३१	सामवेदीन की श्रावणी
४	गुरु	१	**सितम्बर,** गणेश चतुर्थी जन्मदिन गो. चि. रत्नेशकुमारजी, मथुरा–काँकरोली
५	शुक्र	२	ऋषि पंचमी, द्वितीय स्वरुपोत्सव, गुप्त उत्सव
६	शनि	३	
७	रवि	४	
८	सोम	५	श्री राधाष्टमी, जन्मदिन गो. श्री व्रजजीवनजी, अमरेली
९	मंगल	६	उत्सव श्री गिरिधरजी (१८५४), श्रीमद् भागवत सप्ताह प्रारंभ
१०	बुध	७	
११	गुरु	८	परिवर्तनी दान अेकादशी एवं वामन जयन्ती उत्सव श्री व्रजालंकारजी (१६४१) श्री बालकृष्णजी के लालजी एवं श्री पुरुषोत्तमजी लेखवाले (१७१४)
१२	शुक्र	९	
१३	शनि	१०	
१४	रवि	११	अनन्त चतुर्दशी
१५	सोम	१२	पूर्णिमा, श्रीमद् भागवत सप्ताह समाप्ति, सांझी को प्रारंभ

आश्विन कृष्ण पक्ष (गु. भाद्रपद) संवत २०६८
श्री वल्लभाब्द ५३४ सितम्बर–२०११

तिथि	वार	ता.	उत्सव शरद ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	मंगल	१३	श्राद्ध पक्ष प्रारंभ, प्रतिपदा को श्राद्ध
२	बुध	१४	द्वितीया को श्राद्ध
३	गुरु	१५	तृतीया को श्राद्ध
४	शुक्र	१६	चतुर्थी को श्राद्ध
५	शनि	१७	पंचमी को श्राद्ध, श्री हरिरायजी महाप्रभु को उत्सव (१६४७)
६	रवि	१८	षष्ठी को श्राद्ध
७	सोम	१९	सप्तमी को श्राद्ध, व्यतिपात
७	मंगल	२०	अष्टमी को श्राद्ध, सप्तमी की वृद्धि
८	बुध	२१	नवमी को श्राद्ध, उत्सव श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथजी के पुत्र श्री पुरुषोत्तमजी को (१५८७)
९	गुरु	२२	दशमी को श्राद्ध
१०	शुक्र	२३	एकादशी को श्राद्ध, एकादशी को क्षय
१२	शनि	२४	इन्दिरा एकादशी व्रत उत्सव श्री गोपीनाथजी (१५६७) द्वादशी को श्राद्ध
१३	बुध	२५	त्र्योदशी को श्राद्ध उत्सव तृतीय पुत्र श्री बालकृष्ण लालजी (१६०६)
१४	सोम	२६	चतुर्दशी को श्राद्ध, शस्त्रहतन को श्राद्ध
३०	मंगल	२५	सर्वपितृ अमावस्या, सांझी की समाप्ति, सर्वपित्र श्राद्ध कोट की आरती

विशेष : पूर्णिमा को श्राद्ध ५–शनिवार, ८–बुधवार, १३–रविवार अमावस्या–मंगलवार इनमें सूं कोई दिन कर सके।

तिथि	वार	ता.	उत्सव शरद ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	बुध	२८	नवरात्रारम्भ, जन्मदिन गो. चि. प्रणयकुमारजी मथुरा–काँकरोली, मातामह श्राद्ध
२	गुरु	२९	
४	शुक्र	३०	तृतीया को क्षय
५	शनि	१	**अक्टूबर**
६	रवि	२	
७	सोम	३	सरस्वती आवाहन पूजन
८	मंगल	४	
९	बुध	५	जन्मदिन गो. श्री रविकुमारजी, काँकरोली
१०	गुरु	६	विजयादशमी (दशहरा), अंकुरार्पण भोग संध्या में सरस्वती विसर्जन
११	शुक्र	७	पाशंकुशा ११ व्रत
१२	शनि	८	
१३	रवि	९	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (१९४२) श्री बालकृष्णलालजी महाराज कृत पाटोत्सव श्री बालकृष्णजी–सूरत
१४	सोम	१०	
१५	मंगल	११	शरद पूर्णिमा, रासोत्सव
१५	बुध	१२	पूर्णिमा की वृद्धि, दिन की शरद, कार्तिक स्नानारंभ

कार्तिक कृष्ण पक्ष (गु. आश्विन) संवत २०६८
श्री वल्लभाब्द ५३४ अक्टूबर–२०१०

तिथि	वार	ता.	उत्सव शरद–हेमन्त ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	गुरु	१३	
२	शुक्र	१४	
३	शनि	१५	
४	रवि	१६	
५	सोम	१७	उत्सव श्री गिरधरजी (१७४५)
६	मंगल	१८	
७	बुध	१९	प्रथम नोमहला, गादी उत्सव, श्री बालकृष्ण लालजी (१९३६)
८	गुरु	२०	द्वितीय नोमहला
९	शुक्र	२१	तृतीय नोमहला
१०	शनि	२२	
११	रवि	२३	रमा ११ व्रत, हेमंत ऋतु: आरंभ
१२	सोम	२४	गोवत्स द्वादशी
१३	मंगल	२५	धनत्रयोदशी, चतुर्दशी को क्षय, रुप चतुर्दशी, अभ्यंग स्नान,
३०	बुध	२६	दीपावली, कानजगाई, गोकर्ण जागरण, लक्ष्मी पूजन,
			गोधूलिक वेला तथा सिंह लग्न में रात्रि १.३५ से ३.५५ तक

तिथि	वार	ता.	उत्सव हेमंत ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	गुरु	२७	अन्नकूटोत्सव, गोवर्धन पूजा, गुर्जराणा सं. २०६८ प्रारंभ
२	शुक्र	२८	यमद्वितीया, भाईदूज
३	शनि	२९	
४	रवि	३०	
५	सोम	३१	जन्मदिन गो. चि. ब्रजभूषणजी, मथुरा–काँकरोली
६	मंगल	१	**नवम्बर,** उत्सव श्री मदनमोहनजी (कामवन) काँकरोली पधारे (२०३९)
७	बुध	२	
८	गुरु	३	गोपाष्टमी
९	शुक्र	४	अक्षयनवमी, कृष्माण्डदान, कृतयुगादि, उत्सव श्री ब्रजनाथजी (१६३२), श्री बालकृष्णजी के लालजी, गो. श्री अक्षयकुमारजी को जन्मदिन, मथुरा–काँकरोली, छप्पनभोग उत्सव श्री द्वारकाधीशजी को गोस्वामी श्री व्रजेशकुमारजी महाराज कृत संवत २०४८, तृतीय गृह महामहोत्सव: अलौकिक छप्पनभोग उत्सव–श्री द्वारकाधीशजी, श्री मदनमोहनजी, श्री लाडिलेशजी एवं श्री मथुराधीशजी साथ बिराजे विठ्ठल विलास बाग में विद्यमान गो. श्री व्रजेशकुमारजी महाराज एवं गो. श्री परागकुमारजी महाराज कृत (२०६४) (दि. १९–११–२००७)
१०	शनि	५	उत्सव श्री बालकृष्णजी (सूरत) काँकरोली पधारे (२०४२)
११	रवि	६	देव प्रबोधिनी ११ व्रत, देवोत्थापन सायं भोग में ४ बजे के बाद
१२	सोम	७	उत्सव प्रथम पुत्र श्री गिरधरजी (१५९७) एवं पंचम पुत्र श्री रघुनाथजी (१६११)
१३	मंगल	८	जन्मदिन गो. चि. विठ्ठलनाथजी(चि. सिद्धान्तकुमारजी)काँकरोली
१४	बुध	९	
१५	गुरु	१०	पूर्णिमा, चार स्वरुपोत्सव ति. श्री गोविन्दलालजी महाराजकृत, कार्तिक स्नान नियम समाप्ति

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (गु.कार्तिक) संवत २०६८
श्री वल्लभाब्द ५३४ नवम्बर–२०११

तिथि	वार	ता.	उत्सव हेमंत ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	शुक्र	११	गोपमासारम्भ, वत्रचर्या
२	शनि	१२	
३	रवि	१३	
३	सोम	१४	तृतीया की वृद्धि
४	मंगल	१५	छः स्वरुपोत्सव ति. श्री दाऊजी महाराजकृत जन्मदिन गो. श्री द्वारकेशलालजी, बडौदा–काँकरोली
५	बुध	१६	
६	गुरु	१७	
७	शुक्र	१८	
८	शनि	१९	उत्सव द्वितीय पुत्र श्री गोविन्दरायजी (१५९९) एवं उत्सव श्री गिरधरलालजी (१६६२) श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (१९९४) श्री ब्रजभूषणलालजी महाराज कृत, जन्मदिन गो. चि. ब्रचभूषणजी (चि. वेदान्तकुमारजी) काँकरोली
१०	रवि	२०	नवमी को क्षय
११	सोम	२१	उत्पत्ति ११ व्रत
१२	मंगल	२२	
१३	बुध	२३	उत्सव सप्तमपुत्र श्री घनश्यामजी (१६२८)
१४	गुरु	२४	उत्सव श्री गोकुलनाथजी (१८२१)
१५	शुक्र	२५	अमावस्या

तिथि	वार	ता.	उत्सव हेमंत–शिशिर ऋतु : रवि दक्षिणायणे उत्तरे
१	शनि	२६	२०४८ में श्री कल्याणरायजी बैठक मंदिर पधारे छप्पनभोग आरोगे श्री व्रजेशकुमारजी कृत, उत्सव श्री ब्रजभूषणजी (१७६५), जन्मदिन गो. श्री श्यामसुन्दरजी, बनारस–चापासेनी, छप्पनभोग उत्सव श्री द्वारकाधीशजी, श्री नवनीत प्रियाजी, श्री विठ्ठलनाथजी, श्री कल्याण रायजी, श्री मथुराधीशजी, विठ्ठलविलास बाग में पधारे विद्यमान गोस्वामी व्रजेशकुमारजी एवं गोस्वामी श्री द्वारकेशलालजी महाराज कृत (२०६५) दि. २९–११–२००८
३	रवि	२७	द्वितीया का क्षय
४	सोम	२८	उत्सव श्री मथुराधीशजी काँकरोली पधारे (१९६५)
५	मंगल	२९	पाटोत्सव श्री मदनमोहनजी, कामवन
६	बुध	३०	
७	गुरु	१	**डीसंबर,** उत्सव चतुर्थ पुत्र श्री गोकुलनाथजी (१६०८) श्री गुंसाईजी के उत्सव की बधाई
८	शुक्र	२	सप्तस्वरुपोत्सव ति. श्री गोवर्धनेशजी मा. कृत
९	शनि	३	
१०	रवि	४	
१०	सोम	५	दशमी की वृद्धि
११	मंगल	६	मोक्षदा ११ व्रत
१२	बुध	७	
१३	गुरु	८	
१४	शुक्र	९	श्री श्रीनाथजी को छप्पनभोग उत्सव,
१५	शनि	१०	पूर्णिमा, श्री बलदेवजी को उत्सव कितने माने हैं, गोपमास समाप्ति, खग्रास चन्द्रग्रहण निर्णय अन्त में

तिथि	वार	ता.	उत्सव हेमंत–शिशिर ऋतु : रवि दक्षिणा–उत्तरायणे
१	रवि	११	पाटोत्सव श्री लाडलेशजी, बुरहानपुर
२	सोम	१२	
३	मंगल	१३	
४	बुध	१४	
५	गुरु	१५	
६	शुक्र	१६	धनुर्मासारम्भ
७	शनि	१७	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (१८९५) श्री पुरुषोत्तमजी कृत
८	रवि	१८	
९	सोम	१९	प्रभुचरण श्री विठ्ठलनाथजी (गुसांईजी) को उत्सव (१५७२)
१०	मंगल	२०	जन्मदिन गो. श्री रसिकरायजी, मथुरा–पोरबन्दर
११	बुध	२१	सफला ११ व्रत
१२	गुरु	२२	रवि उत्तरायणे, शिशिर ऋतु: आरंभ
१४	शुक्र	२३	त्रयोदशी का क्षय, उत्सव श्री विठ्ठलनाथजी (१८११)
३०	शनि	२४	अमावस्या, जन्मदिन गो. चि. विशालकुमारजी, नाथद्वारा

पौष शुक्ल पक्ष **संवत २०६८**

श्री वल्लभाब्द ५३४ **दिसम्बर–२०११ जनवरी–२०१२**

तिथि	वार	ता.	उत्सव	शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	२५		
२	सोम	२६		
३	मंगल	२७	छप्पनभोग उत्सव–गो.श्री व्रजेशकुमारजीकी षष्ठीपूर्ति को बडौदा में १०० स्वरुप को (सं. २०५६)	
४	बुध	२८		
५	गुरु	२९	जन्मदिन गो. चि. संजीवकुमारजी, काँकरोली	
६	शुक्र	३०		
७	शनि	३१		
८	रवि	१	**जनवरी २०१२**	
९	सोम	२		
१०	मंगल	३	जन्मदिन गो. श्री बालकृष्णलालजी महाराज (श्री ब्रजेशकुमारजी) कांकरोली	
११	बुध	४		
११	गुरु	५	पुत्रदा ११ व्रत, एकादशी की वृद्धि	
१२	शुक्र	६	जन्मदिन गो. श्री वल्लभलालजी, राजकोट	
१३	शनि	७		
१४	रवि	८		
१५	सोम	९	पूर्णिमा, माधस्नानारम्भ	

तिथि	वार	ता.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	मंगल	१०	
२	बुध	११	
३	गुरु	१२	
४	शुक्र	१३	गुप्त उत्सव
६	शनि	१४	पंचमी को क्षय, भोगी, धनुर्मास समाप्ति, अबके संक्रान्ति रात्रि १२.५१ पे बैठे है
७	रवि	१५	पुण्यकाल सूर्योदय सूं सम्पूर्ण दिन, मकर संक्रान्ति, तिलवा गोपीवल्लभ में धरावें
८	सोम	१६	
९	मंगल	१७	उत्सव श्री द्वारकानाथजी (१९८२), उत्सव श्री विठ्ठलनाथजी (१९७०) – काँकरोली – मथुरा
१०	बुध	१८	
११	गुरु	१९	श्री मदनमोहनजी – कामवन, काँकरोली पधारे (२०५६) षट्तिला ११ व्रत, तिलवा अवश्य भोग धरें
१२	शुक्र	२०	
१३	शनि	२१	
१४	रवि	२२	
३०	सोम	२३	सोमवती अमावस्या

तिथि	वार	ता.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	मंगल	२४	
२	बुध	२५	
३	गुरु	२६	
४	शुक्र	२७	पाटोत्सव श्री मुकुन्दरायजी, काशी
५	शनि	२८	वसन्त पंचमी, पाटोत्सव–श्री मदनमोहनजी, पोरबन्दर
६	रवि	२९	
७	सोम	३०	
८	मंगल	३१	जन्मदिन गो. श्री माधवरायजी, वेरावल
९	बुध	१	**फरवरी**
१०	गुरु	२	
११	शुक्र	३	जया ११ व्रत
१२	शनि	४	
१३	रवि	५	जन्मदिन गो. श्री घनश्यामलालजी, कामवन
१४	सोम	६	
१५	मंगल	७	पूर्णिमा, होरी डन्डा रोपण सायं सूर्यास्त के बाद, माध स्नान समाप्ति

फाल्गुन कृष्ण पक्ष (गु. माध) **संवत २०६८**

श्री वल्लभाब्द ५३४ **फरवरी–२०१२**

तिथि	वार	ता.	उत्सव वसन्त ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	बुध	८	
२	गुरु	९	उत्सव श्री व्रजभूषणजी (१९६८)
३	शुक्र	१०	जन्मदिन – गो. श्री विठ्ठलेशरायजी, चापासेनी
४	शनि	११	गादी उत्सव – श्री गिरधरलालजी महाराज (१९०८)
			जन्मदिन प्रियम बावा गो. श्री रविकुमारजी के लालजी, कांकरोली
५	रवि	१२	
६	सोम	१३	
७	मंगल	१४	श्री श्रीनाथजी को पाटोत्सव
८	बुध	१५	
९	गुरु	१६	जन्मदिन गो. चि. गोपाललालजी, मथुरा–काँकरोली
११	शुक्र	१७	दशमी को क्षय
१२	शनि	१८	विजया एकादशी व्रत, जन्मदिन गो. चि. वल्लभलालजी
			(चि. आश्रयकुमारजी) बडौदा – काँकरोली
१३	रवि	१९	वसंतऋतु प्रारंभ
१४	सोम	२०	शिवरात्रि
३०	मंगल	२१	अमावस्या

फाल्गुन शुक्ल पक्ष **संवत २०६८**

श्री वल्लभाब्द ५३४ **फरवरी–मार्च–२०११**

तिथि	वार	ता.	उत्सव वसन्त ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	बुध	२२	
२	गुरु	२३	जन्मदिन गो. श्री वल्लभलालजी – कामवन
३	शुक्र	२४	
३	शनि	२५	तृतीया की वृद्धि
४	रवि	२६	
५	सोम	२७	
६	मंगल	२८	
७	बुध	२९	पाटोत्सव श्री मथुरेशजी–कोटा
			जन्मदिन ति. गो. श्री इन्द्रदमनजी (राकेशकुमारजी), नाथद्वारा
			जन्मदिन चि. ब्रजराजय, मथुरा–काँकरोली
८	गुरु	१	**मार्च,** होलकाष्टकारम्भ
९	शुक्र	२	
१०	शनि	३	
१०	रवि	४	आमलकी ११ व्रत, कुंज एकादशी
१२	सोम	५	जन्मदिन गो. चि. अलंकारजी, मथुरा–काँकरोली
१३	मंगल	६	चौरासी स्तम्भ बगीचा, काँकरोली
१४	बुध	७	होलिकोत्सव, होलिका प्रदीपन पूर्णिमा के सूर्योदय सूं पूर्व
१५	गुरु	८	पूर्णिमा, धूलीवन्दन (धूरेटी)

तिथि	वार	ता.	उत्सव वसन्त ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शुक्र	९	उत्सव श्री पीताम्बरजी (१६३९) श्री बालकृष्णजी के लालजी, दोलोत्सव (डोल)
२	शनि	१०	द्वितीयापाट, अभ्यंगस्नान, तृतीया को क्षय
४	रवि	११	
५	सोम	१२	रंगपचमी
६	मंगल	१३	
७	बुध	१४	
८	गुरु	१५	
९	शुक्र	१६	गुप्त उत्सव
१०	शनि	१७	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (१९५१) श्री बालकृष्णलालजी कृत, जन्मदिन गो. श्री देवकीनन्दनजी, गोकुल
११	रवि	१८	पापमोचनी ११ व्रत
१२	सोम	१९	
१३	मंगल	२०	
१४	बुध	२१	
३०	गुरु	२२	अमावस्या, वर्षे हर्ष: प्रकर्ष: स्यात्

खण्डग्रास चन्द्रग्रहण

संवत २०६८ ज्येष्ठ शुक्ल १५ बुधवार दिनांक १५-६-२०११

ग्रहण को वेध	ज्येष्ठ शुक्ल १५, बुधवार	दिन के १०.५४	बजे स्टे
ग्रहण को स्पर्श	ज्येष्ठ शुक्ल १५, बुधवार	रात्रि के ११.५४	बजे स्टे
ग्रहण को मध्य	ज्येष्ठ शुक्ल १५, बुधवार	रात्रि के १.५०	बजे स्टे
ग्रहण को मोक्ष	ज्येष्ठ शुक्ल १५, बुधवार	रात्रि के ३.४६	बजे स्टे
	ग्रहण को पर्व	०३.५२	बजे स्टे

नियम

ज्येष्ठ शुक्ल १५ बुधवार दिनांक १५-६-२०११ को दिन के १०.५४ बजे सूं वेध लगे। या समय पूर्व ही खायो जायेगो। या दिन ही शाम ७.२५ बजे पूर्व ही जल पीयो जायेगो। छोटे बालक, वृद्ध, रोगी या पूर्व प्रसाद ले सकेंगे।

सेवाक्रम

ज्येष्ठ शुक्ल १५ बुधवार दिनांक १५-६-२०११ के दिन सायं ६ बजे पूर्व शयन पर्यन्त की सेवा पहुंचनी। शयन की सखडी गायन के जाय। पूर्णिमा बुधवार दिनांक १५-६-२०११ कूं शंखनाद या क्रम सूं करने कि स्पर्श सूं पूर्व मंगला आरती की सेवा हो जोय। सफेदी मुखवस्त्रादि कोरे राखने। रसोई, बालभोग आदि तथा पात्रन कि शुद्धि नियमानुसार कर सर्वत्र दर्भ धरने। स्पर्श सूं पांच मिनट पूर्व, दूधघर, झारी, बंटा, पटवस्त्र सूं सराय दर्शन खोल जपादि करनो। खिचडी के डबरा में धृत, लवण और दक्षिणा दे हैं। यथा सौकर्य देनो। प्रत्यक्ष अथवा निष्क्रिय गौदान यथा सौकर्य करनो। मोक्ष पीछे पांच मिनट ठहर स्नानादि कर नवीन जल सूं स्थान पात्रादिक शुद्ध करने। नवीन जल सूं झारी भर श्री प्रभुन कूं स्नान कराय श्रृंगार करनो। ग्रहण पीछे को भोग धरनो और राजभोग पर्यन्त की सेवा पहुंचानी, अनोसर कराने।

ग्रहण को फल

नेष्ट	शुभ	मिथुन	कन्या	मकर	कुंभ
ज्येष्ठा-मूल नक्षत्र	मध्यम	वृषभ	कर्क	तुला	मीन
वृश्चिक-धनु राशि	अशुभ	मेष	सिंह	वृश्चिक	धनु

जिनकूं ग्रहण नेष्ट होय उनकूं दानादिक अधिक करनो। कांसे के पात्र में पिघल्यो धृत भरके सुवर्ण नाग तथा चन्द्र बिम्ब धरके धृत में मुख देखके दक्षिणा सहित दान करनो।

संकल्प –

इस्टदेवं स्मृत्वा, हस्ते साक्षात जलमादय

ॐ विष्णुं र्विष्णु र्विष्णु: (पूर्ववत्) शुभतिथौ श्रीमन्नन्दराज कुमारस्य सानिध्ये सर्वारिष्ट निवृत्यर्थ कृषरान्नदान तण्डुलधृतलवण सहितं छायापात्र दानम सुवर्ण नाग सूर्य चन्द्र बिम्ब गौनिष्क्रय सहितं यथानामगोत्राय ब्राह्मणय दातुमहसुत्सृजे तेन श्रीगोपीजनवल्लभ: प्रीयंतान्नमम।

अक्षतै: सम्पूज्य नमस्कार पूर्वकं प्रार्थनां कुर्यात्–

तमोमय महाभीम सोमसूर्य विमर्दन।
हेमतारप्रदानेन मम शान्ति प्रदोभव।।
विधुन्तुद् नमस्तुभ्यं सिंहिकानन्दनाच्युत।
दानेनानेन नागस्य रक्ष मां वेधजाद् भयात।।

विशेष–

दान करवे को सब साहित्य पूर्व सूं ही तैयार राखनो। पातल के एक दबरा में खीचडी मूंग की दाल की, धृत को दोना, लोन की पुडिया, पीताक्षत, एक छोटी लोटे में जल, कांसे को पात्र वामें को सब साहित्य आदि।

खण्डग्रास चन्द्रग्रहण

संवत २०६८ मार्गशीर्ष शुक्ल, १५ शनिवार दिनांक १०-१२-२०११

ग्रहण को वेध	मार्गशीर्ष शुक्ल, १५ शनिवार	प्रात: ६.०५	बजे स्टे
ग्रहण को स्पर्श	मार्गशीर्ष शुक्ल, १५ शनिवार	शाम ६.०९	बजे स्टे
ग्रहण को मध्य	मार्गशीर्ष शुक्ल, १५ शनिवार	रात्रि ७.५९	बजे स्टे
ग्रहण को मोक्ष	मार्गशीर्ष शुक्ल, १५ शनिवार	रात्रि ९.४९	बजे स्टे
	ग्रहण को पर्व	०३.४०	बजे स्टे

नियम

मार्गशीर्ष शुक्ल १५ शनिवार दिनांक १०-१२-२०११ को प्रात: के ०६.०५ बजे सूं वेध लगे। या समय पूर्व ही खायो जायेगो। या दिन के १२ बजे पूर्व ही जल पीयो जायेगो। छोटे बालक, वृद्ध, रोगी या पूर्व प्रसाद ले सकेंगे।

सेवाक्रम

मार्गशीर्ष शुक्ल १५ शनिवार दिनांक १०-१२-२०११ के दिन वेध सूं पूर्व राजभोग पर्यन्त की सेवा पहुंचनी। शयन की सखडी गायन के जाय। पूर्णिमा शनिवार दिनांक १०-१२-२०११ कूं शंखनाद या क्रम सूं करने कि स्पर्श सूं पूर्व शयन आरती की सेवा हो जोय। सफेदी मुखवस्त्रादि कोरे राखने। रसोई, बालभोग आदि तथा पात्रन कि शुद्धि नियमानुसार कर सर्वत्र दर्भ धरने। स्पर्श सूं पांच मिनट पूर्व, दूधघर, झारी, बंटा, पटवस्त्र सूं सराय दर्शन खोल जपादि करनो। खिचडी के डबरा में धृत, लवण और दक्षिणा दे हैं। यथा सौकर्य देनो। प्रत्यक्ष अथवा निष्क्रिय गौदान यथा सौकर्य करनो। मोक्ष पीछे पांच मिनट ठहर स्नानादि कर नवीन जल सूं स्थान पात्रादिक शुद्ध करने। नवीन जल सूं झारी भर श्री प्रभुन कूं स्नान कराय श्रृंगार करनो। ग्रहण पीछे को भोग धरनो और अनोसर कराने।

ग्रहण को फल

नेष्ट	शुभ	कर्क	सिंह	धनु	मीन
रोहिणी-मृगाशिर नक्षत्र	मध्यम	मेष	वृश्चिक	कन्या	मकर
वृषभ राशि	अशुभ	वृषभ	मिथुन	तुला	कुंभ

जिनकूं ग्रहण नेष्ट होय उनकूं दानादिक अधिक करनो। कांसे के पात्र में पिघल्यो धृत भरके सुवर्ण नाग तथा चन्द्र बिम्ब धरके धृत में मुख देखके दक्षिणा सहित दान करनो।

संकल्प –

इस्टदेवं स्मृत्वा, हस्ते साक्षात जलमादय

ॐ विष्णुं र्विष्णु र्विष्णु: (पूर्ववत्) शुभतिथौ श्रीमन्नन्दराज कुमारस्य सानिध्ये सर्वारिष्ट निवृत्यर्थ कृषरान्नदान तण्डुलधृतलवण सहितं छायापात्र दानम सुवर्ण नाग सूर्य चन्द्र बिम्ब गौनिष्क्रय सहितं यथानामगोत्राय ब्राह्मणय दातुमहसुत्सृजे तेन श्रीगोपीजनवल्लभ: प्रीयंतान्नमम।

अक्षतै: सम्पूज्य नमस्कार पूर्वकं प्रार्थनां कुर्यात्–

तमोमय महाभीम सोमसूर्य विमर्दन।
हेमतारप्रदानेन मम शान्ति प्रदोभव।।
विधुन्तुद् नमस्तुभ्यं सिंहिकानन्दनाच्युत।
दानेनानेन नागस्य रक्ष मां वेधजाद् भयात।।

विशेष–

दान करवे को सब साहित्य पूर्व सूं ही तैयार राखनो। पातल के एक दबरा में खीचडी मूंग की दाल की, धृत को दोना, लोन की पुडिया, पीताक्षत, एक छोटी लोटे में जल, कांसे को पात्र वामें को सब साहित्य आदि।

गोस्वामी बालकन के जन्मदिन की सूचना गुर्जर मास प्रमाणे

''श्रीनाथद्वारा''

फाग. सु. ७ ति श्री इन्द्रदमनजी

(श्रीराकेशजी)

श्रीइन्द्रदमनजी के लालजी–१

मार्ग. व. ३० चि. विशालजी

(चि. भूपेशजी)

''श्रीनाथद्वारा–इन्दौर''

अषा.व. १३ श्री कल्याणरायजी

पोष सु. ५ श्री गोकुलोत्सवजी

अषा. सु. १० श्री देवकीनन्दनजी

श्रीकल्याणरायजी के लालजी–२

मार्ग. व. ६ चि. हरिरायजी

आश्वि. सु. ९ चि. वागधीशजी

श्रीगोकुलोत्सवजी के लालजी–१

कार्ति. सु. ४ चि. व्रजोत्सवजी

श्रीदेवकीनन्दनजी के लालजी–१

वैशा.व. ४ चि. दिव्येशजी

''कांकरोली''

पोष. सु. १० श्री बालकृष्णलालजी

(श्रीब्रजेशकुमारजी)

वैशा. सु. ४ श्री पीताम्बरजी

(श्रीपरागकुमारजी)

चैत्र व. ६ श्री त्रिलोकीभूषणजी

(श्रीशिशिरकुमारजी)

श्रीब्रजेशकुमारजी के लालजी

जेठ सु. ५ चि. पुरुषोत्तमजी

(चि. वागीशकुमारजी)

श्रीपरागकुमारजी के लालजी–१

जेठ सु. १४ चि. व्रजालंकारजी

(चि. नैमिशकुमारजी)

श्रीशिशिरकुमारजी के लालजी–१

वैशा. व. १३ चि. व्रजाभरणजी

(चि. कपिलकुमारजी)

चि. वागीशकुमारजी के लालजी–२

कार्ति व. ९ चि. ब्रजभूषणजी

(चि. वेदान्तकुमारजी)

कार्ति. सु. १३ चि. विठ्ठलनाथजी

(चि. सिद्धान्तकुमारजी)

आ.सु. ९ श्री रविकुमारजी

(श्री हरिरायजी)

पोष सु. ५ चि. संजीवकुमारजी

श्रीरविकुमारजीके लालजी–१

श्रावण व. ३० चि. अवतंशकुमारजी

(मधुरमजी)

फागण व. ४ चि. प्रियमबावा

''बडौदा–काँकरोली''

कार्ति. व. ४ श्री द्वारकेशकुमारजी

(श्रीब्रजेशकुमारजी के लालजी)

श्रीद्वारकेशकुमारजी के लालजी–२

माध व. १२ चि. वल्लभलालजी

(चि.आश्रयकुमारजी)

जे. सु. ८ चि. विठ्ठलनाथजी

(चि.शरणमकुमारजी)

''मथुरा–काँकरोली''

कार्ति. सु. ९ श्री अक्षयकुमारजी

श्रीयदुनाथजी के लालजी–२

अषा. सु. १४ चि. शरदकुमारजी

जेठ सु. ११ चि. प्रबोधकुमारजी

श्रीअक्षयकुमारजी के लालजी

आश्वि सु. १ चि. प्रणयकुमारजी

चि.शरदकुमारजी के लालजी–२

माध व. ९ चि. गोपाललालजी

(चि. परेशकुमारजी)

फा. कृ–१२ (चि. अक्षत बावा)

कार्ति. सु. ५ चि. व्रजभूषणजी

चि.प्रबोधकुमारजी के लालजी–२

अषा सु. ८ चि. अभिषेकजी

(चि. रक्षितबावा)

भाद्र सु. ४ चि. रत्नेशकुमारजी

चि. प्रणयकुमारजी के लालजी–२

फाग सु. १२ चि. अलंकारजी

फा. सु. ७ चि. व्रजरायजी

''मथुरा''

श्रीब्रजरमणलालजी के लालजी–२

पोष व. ५ चि. प्राणवल्लभजी

भाद्र सु. ४ चि. रसिकवल्लभजी

चि. प्राणवल्लभजी के लालजी–२

कार्ति. सु. ११ चि. व्रजवल्लभजी

चैत्र व. ११ चि. जयवल्लभजी

''वाराणसी'

मार्ग सु. २ श्री श्याममनोहरजी

मार्ग कृ. ६ चि. प्रियेन्दुबाबा

''कोटा-मुम्बई''

चैत्र व. ६ श्री विठ्ठलनाथजी

(लालमणीजी)

श्रीलालमणीजी के लालजी-२

श्राव. सु. ९ चि. गिरधरजी

''कोटा''

चैत्र सु. १० श्री गोपालालजी

चि. गोपालालजी के लालजी-२

आश्वि. व. ३ चि. व्रजालंकारजी

अषा. व. ४ चि. शरदकुमारजी

''कडी-अमदावाद''

भाद्र. व. १ श्री व्रजेशकुमारजी

माघ व. १० श्री राजेशकुमारजी

(श्री घनश्यामलालजी)

आश्वि सु. १० श्री विजयकुमारजी

(श्रीदामोदरलालजी)

चैत्र व. १२ श्री वल्लभलालजी

श्रीव्रजेशकुमारजी के लालजी-३

चैत्र सु. ६ चि. पद्मनाभजी

(चि. यदुनाथजी)

कार्ति. सु. १० चि. द्वारकेशजी

कार्ति सु. ७ चि. जयदेवजी

श्रीराजेशकुमारजी के लालजी-२

कार्ति. सु. ७ चि. कृष्णकुमारजी

फाग. सु. ११ चि. कुंजेशकुमारजी

श्रीविजयकुमारजी के लालजी-२

श्राव. व. १२ चि. हरिरायजी

जेठ व. १० चि. दर्शनकुमारजी

श्रीवल्लभलालजी के लालजी-१

अषा. सु. ८ चि. प्रमेयकुमारजी

''कलकत्ता''

श्राव. सु. ७ श्री त्रिलोकीभूषणजी

श्रीत्रिलोकीभूषणजी के लालजी-१

जेठ व. १ चि. राजीवलोचनजी

''अमदावाद''

कार्ति. सु. १२ श्रीव्रजनाथजी

श्रीव्रजनाथजी के लालजी-२

आश्वि. व. १० चि. मधुसुदनजी

आश्वि सु. १ चि. व्रजाभरणजी बाबा

''विरमगाम-अमदावाद''

आश्वि. व. १४ श्री चन्द्रगोपालजी (श्रीजयदेवजी)

श्रीचन्द्रगोपालजी के लालजी-३

आश्वि. व. ९ चि. व्रजेन्द्रकुमारजी

श्राव व. ११ चि. कन्हैयालालजी

चि. मथुरेशजी के लालजी-१

आश्वि व. १४ चि. रघुनाथजी

चि.व्रजेन्द्रकुमारजी के लालजी-१

माध व. ६ चि. रसिकप्रीतमजी

चि.कन्हैयालालजी के लालजी-१

श्राव. व. ८ चि. गोकुलेशजी

''गोकुल''

फाग. व. १० श्री देवकीनन्दनजी

श्रीदेवकीनन्दनजी के लालजी-२

माध व. ३० चि. वल्लभलालजी

फाग. सु. २ चि. विठ्ठलनाथजी

''कामवन'' (पंचमगृह)

फाग. सु. २ श्री वल्लभलालजी

कार्ति. व. १३ श्री रघुनाथलालजी

जेठ व. १४ श्री द्वारकेशलालजी (सूरत)

माध सु. १ श्री नवनीतलालजी(भावनगर)

आश्वि. स. ११ श्री मुरलीधरजी (मुम्बई)

श्रीवल्लभलालजी के लालजी-२

भाद्र कृ. २ श्री देवकी नंदनजी (देवेशजी)

श्रावण कृ. १० श्री विठ्ठलेशजी(व्रजांगजी)

श्रीरघुनाथजी के लालजी-२

मार्ग सु. ९ श्री गिरधरजी (ऋषिबावा)

श्रावण कृ. ५ श्री दामोदरजी (रविबावा)

श्रीद्वारकेशलालजी के लालजी-२

कार्ति. सु. ३ चि. अनिरुद्धलालजी

अषा. व. ९ चि. कन्हैयालालजी

श्रीनवनीतलालजी के लालजी-१

कार्ति. सु. १ चि. गोकुलेशरायजी

श्रीमुरलीधरजी के लालजी-१

मार्ग. सु. ४ चि. जयदेवजी

श्रीअनिरुध्धलालजी के लालजी-१

भाद्र कृ. ४ श्री गोविन्दजी

श्रीकन्हैयालालजी के लालजी-१

कार्तिक सु. १० श्री जयदेवजी

''कामवन'' (सप्तमगृह)

माध सु. १३ श्री घनश्यामलालजी

चैत्र सु. १५ श्री रघुनाथलालजी (मुम्बई)

आश्वि. सु. ११ श्री कृष्णकुमारजी

(मुम्बई)

श्रीघनश्यामलालजी के लालजी–३

अषा. सु. ११ चि. ब्रजेशकुमारजी

श्राव. व. ३ चि. गोपाललालजी

आश्वि. व. १२ चि. कल्याणरायजी

चि. गोपालालजी के लालजी–१

आश्वि. व. ४ चि. हरिरायजी

चि. कल्याणरायजी के लालजी–२

श्राव. व. ३ चि. अनिरुद्धलालजी

भाद्र व. १ चि. उपेन्द्रकुमारजी

श्रीरघुनाथलालजी के लालजी–१

माध सु. ४ चि. योगेशकुमारजी

चि. योगेशकुमारजी के लालजी–१

जेठ व. १३ चि. व्रजोत्सवजी

श्रीकृष्णकुमारजी के लालजी–१

भाद्र सु. १३ चि. शिशिरकुमारजी

''मुम्बई''

पोष व. ४ श्री मधुसूदनलालजी (चेन्नई)

अषा. सु. २ श्री किशोरचन्द्रजी (बेंगलोर)

आश्वि सु. ७ श्री हरिरायजी

फाग. सु. १३ श्री मुरलीमनोहरजी

चैत्र व. ४ श्री योगेशकुमारजी

(श्रीयदुरायजी)

कार्ति. व. ४ श्री कमलेशकुमारजी

कार्ति. व. १३ श्री रेवतीरमणजी

(श्रीरमेशकुमारजी)

माघ सु. ६ श्री अनिरुद्धलालजी

(श्रीराजकुमारजी)

मार्ग. व. ६ श्री नीरजकुमारजी

जेठ व. ६ श्री श्याममनोहरजी (कृष्णगढ)

कार्ति. व. १० श्री उत्तमश्लोकजी

श्रीमधुसुदनलालजी के लालजी–२

वैशा. सु. १० चि. कृष्णजीवनजी

पौष व. ६ चि. वल्लभदीक्षितजी

श्रीकिशोरचन्द्रजी के लालजी–१

श्राव. सु. ११ चि. शिशिरकुमारजी

(चि.गिरधरलालजी)

श्रीजीवनेशजी के लालजी–२

चैत्र सु. १४ चि. पंकजकुमारजी

(चि.पुरुषोत्तमजी)

अषा. सु. ११ चि. ललितत्रिभंगीजी

श्रीहरिरायजी के लालजी–१

मार्ग व. ४ चि. ऋषिकेशजी

श्रीमुरलीमनोहरजी के लालजी–१

आश्वि सु. ११ चि. गोपिकालंकारजी

श्रीयोगेशकुमारजी के लालजी–१

आश्वि सु. १ चि. बालकृष्णजी

(चि. मिथिलेशकुमारजी)

श्रीकमलेशकुमारजी के लालजी–१

फाग. व. ९ चि. मुकुन्दरायजी

श्रीनृत्यगोपालजी के लालजी–२

श्राव. सु. १ चि. मनमोहनजी

अषा. व. ३० चि. हिरण्यगर्भजी

श्रीरेवतीरमणजी के लालजी–१

माध व. ६ चि. रघुनाथजी

श्रीअनिरुद्धलालजी के लालजी–२

माध व. ९ चि. प्रशान्तकुमारजी

(चि. यदुनाथजी)

फाग. सु. १५ चि. गोकुलनाथजी

श्री नीरजकुमारजी के लालजी–१

वैशा व. १४ चि. गोविन्दरायजी

श्रीउत्तमश्लोकजी के लालजी–१

अषा. सु. ५ चि. दामोदरजी

चि. पंकजकुमारजी के लालजी–२

मार्ग सु. ४ चि. गोकुलनाथजी

माध सु. ६ चि. घनश्यामलालजी

चि. ललितत्रिभंगीजी के लालजी–२

फा. सु. ८ चि. व्रजवल्लभजी

माध व. ७ चि. यमुनावल्लभजी

चि.ऋषिकेशजी के लालजी–२

श्राव सु. १ चि. राजीवलोचनजी

चैत्र सु. ७ चि. रविरायजी

चि. मनमोहनजी के लालजी–१

अषा. व. १३ चि. प्रियव्रतजी

आश्वि सु. ३ श्री रसिकवल्लभजी (लंडन)

चैत्र सु. ९ श्री महेन्द्रकुमारजी

श्रीरसिकवल्लभजी के लालजी–१

आश्वि. सु. १३ चि. शिशिरकुमारजी

''बोरीवली–मुम्बई''

कार्ति व. १३ श्री श्यामसुन्दरजी

(श्रीत्रिभंगीरायजी)

चैत्र व. ११ श्री व्रजप्रियजी

चैत्र व. १४ श्री यशोदानन्दनजी

श्राव. व. १३ श्री राकेशकुमारजी

श्रीश्यामसुन्दरजी के लालजी–१

कार्ति. सु. ३ चि. यमुनेशजी

चि. यशोदानन्दनजी के लालजी–१

फाग. व. १० चि. नूपुरकुमारजी

''अमरेली–मुम्बई''

भाद्र सु. ८ श्री व्रजजीवनजी

श्रीव्रजजीवनजी के लालजी–२

जेठ सु. २ चि. द्वारकेशलालजी

कार्ति. सु. ७ चि. पुरुषोत्तमलालजी

श्री पुरुषोत्तमजी के लालजी–१

आश्वि कृ. २ चि. अनुग्रहकुमारजी

''पूना''

फाग. व. ११ श्री भरतकुमारजी

चैत्र सु. ४ श्री अजयकुमारजी (चेन्नई)

''सूरत''

अषा. व. ३ चि. गोपेशकुमारजी

पोष व. ३ चि. मुकुन्दरायजी

माध व. ५ श्री कल्याणरायजी

मार्ग सु. ११ श्री वल्लभलालजी

चैत्र सु. ११ श्री मथुरेशजी

पोष व. ५ श्री प्रभुजी

श्रीवल्लभलालजी के लालजी–१

आश्वि सु. १ चि. अनुरागजी

श्रीमथुरेशजी के लालजी–२

भाद्र सु. ६ चि. योगेशकुमारजी

भाद्र व. २ चि. धुमिलकुमारजी

चि. धुमिलकुमारजी के लालजी–१

कार्ति व. २ चि. व्रजरायजी

''जामनगर–चापासेन''

माध व. ३ श्री विठ्ठलेशरायजी

जेठ सु. ५ श्री हरिरायजी

फाग. व. १४ श्री व्रजरत्नजी (नडियाद)

पोष सु. ९ श्री नवनीतलालजी

अषा. सु. ८ श्री बालकृष्णलालजी

श्रीविठ्ठलेशरायजी के लालजी–३

श्राव सु. २ चि. रसिकरायजी

अषा. सु. १५ चि. मुकुटरायजी

चैत्र सु. १२ चि. शरदकुमारजी

श्रीहरिरायजी के लालजी–१

मार्ग व. १२ चि. वल्लभलालजी

''पोरबन्दर''

वैशा. सु. ७ श्री हरिरायजी

श्रीहरिरायजी के लालजी–१

भाद्र. सु. ११ चि. जयवल्लभजी

(जय गोपालजी)

''मथुरा–पोरबन्दर''

मार्ग. व. १० श्री रसिकरायजी

श्राव. सु. १२ श्री मधुरेशजी

आश्वि. व. १० श्री कन्हैयालालजी(मुम्बई)

पोष सु. ९ श्री श्याममनोहरजी

(श्रीजयदेवलालजी)

श्री रसिकरायजी के लालजी–२

वैशा. व. १० चि. चन्द्रगोपालजी

वैशा. व. ७ चि. शरदकुमारजी

श्रीमधुरेशजी के लालजी–२

माध व. १२ चि. बसन्तकुमारजी

कार्ति. सु. ६ चि. भरतकुमारजी

श्रीकन्हैयालालजी के लालजी–२

माध व. ५ चि. अभिषेककुमारजी

वैशा. सु. ३ चि. अक्षयकुमारजी

चि. चन्द्रगोपालजी के लालजी–१

अषा. सु. ७ चि. मिलनकुमारजी

चि. अभिषेककुमारजी के लालजी–१

चैत्र कृ. ११ चि. द्वारकेशलालजी

''राजकोट–खंभालीया–बोरीवली''

पोष सु. १३ श्री वल्लभलालजी

श्रीवल्लभलालजी के लालजी–३

वैशा. सु. १३ चि. राजीवलोचनजी

मार्ग सु. २ चि. गोविन्दरायजी

जेठ सु. १५ चि. गोपिकालंकारजी

चि. राजीवलोचनजी के लालजी–३

अषा. व. ५ चि. देवकीनन्दनजी

(चि. भागवतजी)

जेठ सु. ४ चि. कुंजरायजी

(चि. योगेन्द्रजी)

श्राव. व. चि. गिरधरजी

चि.गोपिकालंकारजी के लालजी–१

फाग. सु. २ चि. द्वारकेशलालजी

''जूनागढ''

श्राव. व. ३ श्री दानीरायजी

वैशा. सु. ६ श्री किशोरचन्द्रजी

श्रीदानीरायजी के लालजी–४

श्राव. सु. १२ चि. गोकुलेशजी

श्रीव्रजरत्नजी के लालजी–१

आश्वि. सु. ७ चि. गोकुलोत्सवजी

कार्ति. सु. ५ चि. पुरुषोत्तमजी

अषा. व. ११ चि. व्रजेन्द्रकुमारजी

कार्ति. सु. १५ चि. विशालकुमारजी

श्रीकिशोरचन्द्रजी के लालजी–१

कार्ति. व. ४ चि. ब्रजेन्द्रजी

''वेरावल''

माघ सु. ८ श्री माधवरायजी

मार्ग. सु. ९ श्री चन्द्रगोपालजी

अषा. व. १४ श्री शैलेन्द्रकुमारजी

(श्रीशरदकुमारजी)

श्रीमाधवरायजी के लालजी–१

अषा. व. ४ चि. मुरलीधरजी

श्रीचन्द्रगोपालजी के लालजी–१

श्राव. व. ८ चि. अनिरुद्धलालजी

श्रीशैलेन्द्रकुमारजी के लालजी–१

श्राव. सु. ३ चि. लाडलेशजी

''मांडवी''

माध व. ९ श्री अनिरुद्धलालजी

अषा. सु. ८ श्री चिमनलालजी (गोकुल)

श्रीदामोदरलालजी के लालजी–१

वैशा. सु. १४ चि. रविन्द्रजी

(चि. रणछोडलालजी)

श्रीअनिरुद्धलालजी के लालजी–१

वैशा. सु. १४ चि. रसिकरायजी

(चि. शरदकुमारजी)

श्रीचिमनलालजी के लालजी–२

अषा. व. ६ चि. चन्द्रगोपालजी

कार्ति सु. ४ चि. भूषणजी

श्रीमुरलीमनोहरजी के लालजी–१

आश्वि. व. ७ चि. व्रजवल्लभजी

चि. रविन्द्रजी के लालजी–२

जेठ सु. ८ चि. मुकुन्दरायजी

फाग. व. १३ चि. गोकुलनाथजी

लीलारथ गोस्वामी बालकन के उत्सव गुर्जर मास प्रमाणे

	''चैत्र''	
सु. ३	श्री देवकीनन्दनजी	कामवन
सु. १३	श्री मुरलीधरजी	काशी
सु. १५	श्री मुरलीधरलालजी	बोरीवली
व. १	श्री द्वारकेशलालजी	पोरबन्दर
व. ११	श्री देवकीनन्दनजी	इन्दौर
	''वैशाख''	
सु. १०	श्री मुरलीमनोहरजी	मांडवी
व. ५	श्री रणछोडलालजी	कोटा
व. १२	श्री दीक्षितजी	कृष्णगढ
व. १२	श्री व्रजरमणलालजी	मथुरा
व. १४	व्रजाधीशजी	मुम्बई
	''जेठ''	
सु. १	चि. मथुरेशजी वीरमगाम-अहमदावाद	
सु. ४	श्री त्रिविक्रमलालजी	कलकत्ता
सु. ९	श्री द्वारकेशलालजी	कोटा
सु. १५	श्री जीवनलालजी	काशी
सु. १५	श्री माधवरायजी	मुम्बई
व. ४	श्री गिरधरलालजी	कामवन
व. ८	श्री घनश्यामलालजी	मांडवी
व. १४	श्री वागीशलालजी	मुम्बई
	''अषाढ''	
सु. २	श्री मगनलालजी	वेरावल
सु. २	श्री गोपाललालजी	काँकरोली
सु. ३	श्री वल्लभलालजी	कामवन
सु. ३	श्री मथुरेशजी	मुम्बई
सु. ५	श्री मुकुन्दरायजी	मुम्बई
सु. ५	श्री विठ्ठलेशरायजी	मुम्बई
सु. ९	श्री घनश्यामलालजी	पोरबन्दर
व. ५	श्री दामोदरलालजी	मांडवी
व. ११	श्री बालकृष्णलालजी	सूरत
व. ११	श्री विठ्ठलेशरायजी	इन्दौर
व. १३	श्री बालकृष्णलालजी	काँकरोली
व. १३	श्री कृष्णरायजी	इन्दौर
व. १३	श्री नटवरलालजी	वेरावल
	''श्रावण''	
सु. २	श्री वल्लभलालजी	मुम्बई
सु. ३	श्री दामोदरलालजी	चापासेनी
सु. १२	श्री गोपीनाथजी	मुम्बई
व. १	श्री गोवर्धनलालजी	नाथद्वारा
व. ८	श्री कन्हैयालालजी	गोकुल
व. ९	श्री कृष्णजीवनजी	चेन्नई
व. १०	श्री व्रजनाथजी	विलेपार्ले
व. १२	श्री विठ्ठलेशरायजी	चापासेनी
	''भाद्रपद''	
सु. ४	श्री पुरुषोत्तमलालजी	मुम्बई
सु. ८	श्री व्रजरत्नलालजी	सूरत
सु. १२	श्री गोकुलनाथजी	मुम्बई
सु. १२	श्री अनिरुद्धलालज	नडियाद
व. ३	श्री गोवर्धनलालजी	मुम्बई
व. ३	श्री दामोदरलालजी	मथुरा

व. ७	श्री वल्लभलालजी	शेरगढ
व. ११	श्री नृसिंहलालजी	मुम्बई

''अश्विन''

सु. ११	गो.श्री कृष्णकुमारजी	मुम्बई
व. ३	श्री घनश्यामलालजी	मुम्बई
व. ५	श्री मगनलालजी	सूरत
व. ७	श्री व्रजनाथजी	जामनगर
व. १०	श्री व्रजरायजी	अमदावाद
व. १३	श्री व्रजपाललालजी	मथुरा

''कार्तिक''

सु. १	श्री गोवर्धनेशजी	वेरावल
सु. २	श्री पुरुषोत्तमलालजी	जूनागढ
सु. ३	श्री प्रदीपकुमारजी	काँकरोली
सु. ७	श्री जीवनेशजी	बिलखा
सु. १३	श्री गोविन्दरायजी	कामवन
सु. १५	श्री श्यामसुन्दरजी	पूना
सु. १५	श्री माधवरायजी	पोरबन्दर
व. १	श्री रमणलालजी	मथुरा
व. ७	श्री गोपाललालजी	मथुरा
व. ७	श्री गोविन्दलालजी	नाथद्वारा
व. ८	श्री राजेन्द्रकुमारजी	मथुरा
व. १४	श्री जयदेवलालजी	वीरमगाम

''मागसर''

सु. १०	श्री दामोदरलालजी	मुम्बई
सु. १४	श्री द्वारकेशलालजी	मांडवी
व. १	श्री दाउजी महाराज	नाथद्वारा
व. ७	श्री रणछोडलालजी	पोरबन्दर
व. १३	श्री गिरधरलालजी	नाथद्वारा
व. १३	श्री पुरुषोत्तमलालजी	कोटा

''पोष''

सु. ४	श्री गोकुलनाथजी	वेरावल
सु. ५	श्री गोपेश्वरलालजी	नाथद्वारा
सु. ६	श्री दामोदरलालजी	नाथद्वारा
सु. १०	श्री कल्याणरायजी	मुम्बई
व. ९	श्री विठ्ठलनाथजी	काँकरोली
व. ११	श्री रणछोडालजी	अमदावाद

''माघ''

सु. ४	श्री मधुसूदनलालजी	अमदावाद
सु. ४	श्री कृष्णकुमारजी	काँकरोली
सु. ९	श्री गिरधरलालजी	मुम्बई
सु. १५	श्री गिरधरगोपालजी	काशी
व. २	श्री नटवरलालजी	मांडवी
व. २	श्री व्रजभूषणलालजी	काँकरोली
व. ४	श्री नृत्यगोपालजी	मुम्बई
व. १२	श्री प्रद्युम्नलालजी	बेट द्वारका
व. ३०	श्री गोविन्दरायजी	पोरबन्दर

''फागण''

सु. ११	श्री गोविन्दरायजी	सूरत
व. ८	श्री राजेन्द्रकुमारजी	काँकरोली
व. १३	श्री व्रजरायजी	अमदावाद
व. ३०	श्री कृष्णचन्द्रजी	मुम्बई

श्री गोकुलनाथजी के वचनामृत व्रज के मास सूं देखने। तीज–तेरस, चौथ–चौदस, पंचमी–पून्यो एक जाननो, अमावस तजनी। वचनामृत में विश्वास राखि के प्रयाण करें तो मनोरथ सिद्ध होय।

पौ.	मा.	फा.	चै.	वै.	ज्ये.	अ.	श्रा.	भा.	आ.	का.	मा.
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११

फल

☞	बहोत सुख होय, कलेश नहीं, अर्थ पूर्ण होय
☞	महाभारत होय, अशुभ, जीवनाश होय
☞	अर्थ पूर्ण होय, मनोरत सिद्ध होय, कामना पूर्ण होय
☞	क्लेश – जीवनाश होय, कुशल सूं घर आवें नहीं
☞	वस्तु लाभ होय, मित्र मिले, व्याधि मिटे
☞	महा चिन्ता होय, वियोग होय, कदाचित् घर आवें
☞	सौभाग्य, रत्न–सहित, भलि–भाँति सूं घर आवें
☞	मिलनो न होय, बहुत बुरो होय, जीवनाश दुःख पावें
☞	आशा पूर्ण होय, सौभाग्य पावें, कामना सिद्ध होय
☞	सौभाग्य, दिन बहोत लगें, कुशल सूं घर आवें
☞	क्लेश होय, जीवनाश नहीं, सौभाग्य पावें नहीं
☞	मार्ग में सिद्धि मिले, मित्र मिले, विघ्न मिटे, धन को लाभ

दिन का चोघडिया – लाभ अमृत चल एवं शुभ शुभ होते हैं।

रविवार	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग
सोमवार	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत
मंगलवार	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग
बुधवार	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ
गुरुवार	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ
शुक्रवार	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल
शनिवार	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल

रात का चोघडिया – काल रोग उद्वेग अशुभ होते हैं।

रविवार	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ
सोमवार	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल
मंगलवार	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल
बुधवार	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग
गुरुवार	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत
शुक्रवार	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग
शनिवार	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ